US Agriseeds®
Seed that Works

SEEDWORKS®

25 YEARS OF SERVING FARMERS

KMH - 721

» पकने की अवधि 125-135 दिन

» मोटा दाना

» अधिक उपज

» अधिक शाखाएं एवं अधिक फलियां

US Agriseeds® Seed that Works

SEEDWORKS®

25 YEARS OF SERVING FARMERS

हाइब्रिड सरसों की खेती की पद्धति

खेत की तैयारी :

सबसे पहले खेत को गहरी जुताई करके अच्छी तरह से तैयार कर लेना चाहिए इसके बाद दो बार क्रॉस हैरोइंग करनी चाहिए। मिट्टी में पर्याप्त नमी के साथ-साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पूरे खेत से खरपतवार और पिछली फसल के अवशेष अच्छी तरह से निकाल दिए गए हो।

बुवाई :

बुवाई का समय	अक्टूबर - नवम्बर (उपयुक्त तापमान : 25-30°C)
बीज दर	1 किलोग्राम प्रति एकड़
लाइन से लाइन और पौधे से पौधे की दूरी	45 सेंटीमीटर x 15 सेंटीमीटर
बीज की गहराई	1.5-2.5 सेंटीमीटर

उर्वरक प्रबंधन :

» उर्वरकों का उपयोग मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट और स्थानीय राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की सिफारिशों के आधार पर करना चाहिए। उर्वरकों की सामान्य अनुशंसित मात्रा नीचे दी गई तालिका के अनुसार है।

» 6-8 मेट्रिक टन गोबर खाद प्रति एकड़ प्रयोग करना चाहिए

उर्वरक	बेसल डोज़ (किलोग्राम/एकड़)	पहले पानी के समय (किलोग्राम/एकड़)
यूरिया	25	35
सिंगल सुपर फास्फेट	80	–
म्यूरेट ऑफ़ पोटाश	25	–
सल्फर 67% + जिंक 14% WDG	–	4

सिंचाई की आवश्यकता :

पहली सिंचाई बुवाई के 30-35 दिन बाद और दूसरी सिंचाई बुवाई के 65-70 दिनों के बाद फली भरने की अवस्था पर करनी चाहिए

खरपतवार प्रबंधन :

बुवाई के 20 से 25 दिनों के बाद हाथ से गुड़ाई करके खरपतवार निकालना चाहिए या फिर बिजाई के 2 से 3 दिन में पेंडीमेथालिन 30 ईसी @ 1लीटर/एकड़ प्री इमरजेंस खरपतवार नाशक का प्रयोग करें।

कीट एवं रोग प्रबंधन :

विवरण	प्रबंधन
चेपा	इमिडाक्लोप्रिड कीटनाशक @ 30 मिली को 15 लीटर पानी में या थायमेथोक्सम 25% डब्ल्यूजी @ 20-40 ग्राम को 200-400 लीटर पानी/एकड़ में मिलाकर छिड़काव करें।
पेंटेड बग	क्लोरपायरीफॉस @ 2 मिली/लीटर
सा फ्लाई	मैलाथियान 25% ईसी @ 600 मिली 200-400 लीटर पानी प्रति एकड़
डैम्पिंग ऑफ	साइमोक्षानिल 8% +मैनकोज़ेब 64% फफूंदी नाशक @ 30 ग्राम को 15 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे या ड्रेन्चिंग करें।
पाउडरी मिल्ड्यू (सफेद चूर्णी फफूंद)	टेबुकोनाज़ोल + ट्राइफ्लोक्सीट्रॉबिन @ 120 ग्राम/एकड़ या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @ 30 ग्राम/15 लीटर पानी
डाउनी मिल्ड्यू	मेटालैक्सिल 4% + मैनकोज़ेब 64% डब्ल्यूपी @ 1000 ग्राम को 400 लीटर पानी/एकड़
स्क्लेरोटीना (तना गलन)	मेटालैक्सिल 4% + मैनकोज़ेब 64% डब्ल्यूपी @ 1000 ग्राम को 400 लीटर पानी/एकड़ में मिलाकर या मैनकोज़ेब + कार्बेन्डाजिम 75% @ 30 ग्राम/15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
सफेद रोली रोग	मैनकोज़ेब + कार्बेन्डाजिम 75% @ 30 ग्राम/15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

कटाई एवं मढ़ाई :

कटाई तब करनी चाहिए जब 75-80% फली पीले भूरे रंग की हो जाएं। थ्रेशिंग के समय (कटाई के लगभग 5 दिन बाद) अनाज में लगभग 8-10% नमी होनी चाहिए।